रजिस्ट्री सं. डी.--(डी एन)--73

REGISTERED NO. D—(DN)—73

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 36] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 4, 1982 (भाद्रपद 13, 1904)

No. 36] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 4, 1982 (BHADRA 13, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ
भाग I—खंड 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	603
भाग I—खंड 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	1195
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	25
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	1213
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*
भाग II—खंड 1-क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*
भाग II—खंड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*
भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	2003
भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	3009
भाग II—खंड 3—उप-खंड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खंड 3 या खंड 4 में प्रकाशित होते हैं)	293
भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	271
भाग III—खंड 1—उच्चतम न्यायालय, महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासनों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	12253
भाग III—खंड 2—पैटेन्ट कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं और नोटिस	501
भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	177
भाग III—खंड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	2381
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस	205
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दिखाने वाला अनुपूरक	*

*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई

1—221 GI/82

CONTENTS

	PAGE
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	603
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)	1195
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	25
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	1213
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 1-A.—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	2003
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	3009
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii).—Authoritative tests in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules and Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories)	293
PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	271
PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	12253
PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	501
PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	177
PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	2381
PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies .. .	205
PART V—Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc. both in English and Hindi ..	

* Folio Nos. not received

भाग I—खण्ड 1
PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 अगस्त 1982

सं० 38-प्रेज/82—राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्ति को, "सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक" प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :—

माननीया सिस्टर लायोला, (मरणोपरांत)
मदर सुपीरियर
सेंट टेरेसा कारमेलाइट कान्वेंट
पभवगडी, एर्णाकुलम, केरल ।

23 अप्रैल, 1981 को रात के करीब 10 बजे सेंट रोजेज कान्वेंट-व-होस्टल के बहुत निकट पंप हाउस में एक क्लोरीन गैस का सिलेन्डर फट गया । फटे हुए सिलेन्डर से निकलने वाली गैस खिडकियों के रास्ते होस्टल में प्रवेश कर गई । होस्टल के करीब 150 निवासी गैस के जहर के कारण चिल्लाने और इधर-उधर भागने लगे । उसी समय मानर्नीया सिस्टर लायोला एक कमरे से दूसरे कमरों में दौडती हुई गई और वे निवासियों को बिल्डिंग से बाहर निकालने में सहायता करने लगी । उन्होंने इस बात में भी पहल की कि होस्टल को सभी निवासी अस्पताल ले जाये जाए । उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए होस्टल का कोना-कोना देख डाला कि सभी निवासियों को बाहर निकाल लिया गया है और बिल्डिंग के अन्दर कोई व्यक्ति बेहोश पडा नही रह गया है । यह कार्य करते हुए वे स्वयं बेहोश हो गई । अस्पताल ले जाई जाने वाली वह अन्तिम व्यक्ति थीं । उनकी उसी रात मृत्यु हो गई । यदि वे अन्य व्यक्तियों का जीवन बचाने के लिए होस्टल के अन्दर न रही होतीं तो वे आसानी से अपनी मृत्यु टाल सकती थीं ।

माननीया सिस्टर लायोला ने अपने जीवन के खतरे की परवाह न करते हुए होस्टल के निवासियों को बाहर निकालने में अपूर्व वीरता और तत्परता का परिचय दिया ।

सं० 39-प्रेज/82—राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को, "उत्तम जीवन रक्षा पदक" प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :—

श्री ए० गफार अहमद, तरखेसा,
नगीना मस्जिद के पास,
जेतपुर, जिला राजकोट
गुजरात ।

9 मई, 1981 को गुजरात कृषि विश्व विद्यालय के जूनागढ़ कैम्प में ठहरे हुए सात कृषि वैज्ञानिक सूरत में एक बैठक में भाग लेने के बाद एक मेटाडोर में अपने मुख्यालय को वापस लौट रहे थे । यह तूफानी दिन था और मेटाडोर सुरक्षित गति से चल रही थी । इसी बीच राज्य परिवहन की एक गाडी विपरीत दिशा से और वह भी गलत दिशा से बडी तेज गति से आ रही थी । यह गाडी मेटाडोर से टकरा गई और उसने मेटाडोर को सामने की तरफ से चकनाचूर कर दिया । मेटाडोर उलट गई और ड्राइवर समेत कुछ यात्री बेहोश हो गये । इस दुर्घटना को देखने वालो में से कोई भी व्यक्ति मदनार्थ या यात्रियों की सहायता करने नही आया । जैतपुर निवासी एक टैक्सी ड्राइवर, श्री ए० गफार अहमद तरखसा, ने जो जूनागढ़ जा रहा था, अपनी टैक्सी को दुर्घटना-स्थल पर रोका व गाडी के अन्दर घुस गया जो तब तक आग पकड चुकी थी । उन्होंने ड्राइवर को छोड़कर जिसकी मृत्यु हो गयी, बाकी सभी यात्रियो को गाडी से बाहर निकाल लिया । एक और यात्री की जख्मों के कारण बाद में मृत्यु हो गयी । अन्य सभी यात्रियो को नजदीक के अस्पताल में ले जाया गया और उन्हें बचा लिया गया ।

स्थिति की गम्भीरता को महसूस करते हुए तथा अपने जीवन की परवाह किए बिना श्री ए० गफार अहमद तरखेसा स्वयं जलती हुई गाडी में कूद पडे । उन्होंने इस तरह साहस और तत्परता का परिचय दिया और छः व्यक्तियों की जान बचायी ।

2 श्री उदय भान सिंह
ग्राम उमरिया, जिला शहडोल
मध्य प्रदेश ।

8 अप्रैल, 1981, वीरसिंहपुर और गनघटी रेलवे स्टेशनों के बीच 33 डाउन इंदौर बिलासपुर एक्सप्रेस के आर० एम० एस० की बोगी में आग लग गई । उक्त डिब्बे में सफर कर रहे यात्रियो ने जंजीर खींची, किन्तु ट्रेन नही रुकी । इसके बाद श्री उदयभान सिंह डिब्बे की छत पर चढ़ गये और बडी कठिनाई और अत्यधिक खतरा होते हुए भी इंजन की तरफ बढ़े । इंजन तक पहुंचने पर उन्होंने घटना के बारे में ड्राइवर तथा फायरमैन को सूचित किया । ड्राइवर ने तुरन्त ट्रेन रोक दी । वे सभी नीचे उतरे और आग लगी हुई बोगी के पास पहुंचे और उन्होंने इसके आगे की और पीछे की बोगियो को

अलग कर दिया । इसके बाद श्री उदयभान सिंह जल रही बोगी के अन्दर घुस गए और उन्होंने इसमें से एक महिला और एक बच्चे को बचा लिया ।

श्री उदय भान सिंह ने अपने जीवन के खतरे की परवाह न करते हुए जल रहे रेल के डिब्बे में से दो व्यक्तियों को बचाने में साहस और तत्परता का परिचय दिया ।

3. श्री कलंगरा वेलायुधन नायर,
94, सड़क निर्माण कंपनी (जी० आर० ई० एफ०)
यांत्रिक परियोजना,
मार्फत 99 ए०पी०ओ० ।

7 जून, 1981 को "यांत्रिक परियोजना के जूनियर कमीशन्ड अफसरों/सुपरवाइजरों ने गैलेथिस नदी के किनारे उत्तर-दक्षिण सड़क पर एक पिकनिक पार्टी का आयोजन किया था। अचानक पिकनिक करने वालों में से एक व्यक्ति श्री टी०आर० के० मूर्ति फिसल गया और नदी में गिर पड़ा। वह तैरना जानता था, किन्तु तेज बहाव के कारण तैर कर किनारे तक न पहुंच सका। इस घटना को देख कर, श्री कलंगरा वेलायुधन नायर नदी में कूद पड़े और बड़ी तेजी से तैरने लगे और उन्होंने श्री मूर्ति को पकड़ लिया जो उस समय तक बेहोश हो गया था और डूब रहा था। उसे पकड़ कर श्री नायर ने नदी के दूसरे किनारे की ओर तैरना शुरू किया। श्री नायर के प्रयासों को देख कर श्री कांसी और श्री सोमेश्वर प्रधान भी नदी में कूद पड़े। अपने सहयोगियों का सहायता से श्री नायर, श्री मूर्ति को नदी के दूसरे किनारे पर सुरक्षित खीच लाये ।

श्री कलंगरा वेलायुधन नायर ने, अपने जीवन के खतरे की परवाह न करते हुए, श्री मूर्ति की जान बचाने में साहस और तत्परता का परिचय दिया ।

4. श्री तेसंग थिगनोक (मरणोपरान्त)
पुत्र श्री नागेंफाक,
कृषक, ग्राम डोईडम, नामसंग सर्किल,
लिप जिला, आन्ध्र प्रदेश ।

23 अप्रैल, 1981 को देवमाली टाउनशिप के कुछ युवा लड़के नामसंग नदी में तैरने के लिये गये । अचानक नाहट नामता और टुटेन गुप्त नामक दो लड़के नदी की तेज धारा में फंस गये । अन्य लड़कों ने खतरे का शोर मचाया । शोर सुनकर नाहट नामता की माता ने अपने छोटे भाई श्री तेसंग थिगनोक को घटनास्थल पर जाने के लिये कहा। श्री तेसंग थिगनोक तुरन्त नदी तट की ओर दौड़े और लड़को को संकट में देखकर नदी में कूद पड़े। कुछ समय तक संघर्ष करने के बाद वे डूबते हुए लड़कों को किसी तरह नदी के किनारे की तरफ ले आए। परन्तु ऐसा करते हुए वे नदी के तेज बहाव में फंस गये और अपने आप को बाहर नही निकाल सके ।

श्री तेसंग थिगनोक ने अपनी जान देकर दो लड़कों का जीवन बचाने में साहस और तत्परता का परिचय दिया ।

सं० 40-प्रेज/82—राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को "जीवन रक्षा पदक" प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :—

1. श्री कांसी,
सेक० 583 टी० पी० टी० प्लाटून, (जी०आर०ई०एफ०),
द्वारा 94 आर०सी०सी० (जी०आर०ई०एफ०),
"यांत्रिक" परियोजना,
द्वारा 99 ए०पी०ओ० ।

2. श्री सोमेश्वर प्रधान,
डेट 1005 (1) इंजीनियर स्टोर एण्ड
सप्लाई प्लाटून (जी०आर०ई०एफ०),
"यांत्रिक" परियोजना मुख्यालय,
द्वारा 99 ए०पी०ओ० ।

7 जून, 1981 को "यांत्रिक" परियोजना के जूनियर कमीशन्ड अफसरों/सुपरवाइजरों ने गैलेथिस नदी के किनारे एक पिकनिक पार्टी का आयोजन किया था । अचानक पिकनिक करने वालों में से एक श्री टी०आर०के० मूर्ति फिसल गया और नदी में गिर पड़ा । वह तैरना जानता था किन्तु तेज बहाव के कारण तैर कर किनारे तक न पहुंच सका । इस घटना को देखकर श्री कालंगरा वेलायुधन नायर उसको बचाने के लिए नदी में कूद पड़े । श्री नायर के प्रयासों को देखकर, श्री कांसी और श्री सोमेश्वर प्रधान भी नदी में कूद पड़े और उन्होंने श्री मूर्ति को सुरक्षित दूसरे किनारे पर लाने में श्री नायर की सहायता की ।

श्री कांसी और श्री सोमेश्वर प्रधान ने अपने जीवन के खतरे की परवाह किए बिना श्री मूर्ति की जान बचाने में साहस और तत्परता का परिचय दिया ।

3 श्री इन्ती राजाराव,
60-रोड कन्स्ट्रक्शन कम्पनी,
(जी०आर० ई० एफ०),
द्वारा 99 ए०पी०ओ० ।

4 श्री अवध कुमार सिंह,
155-कारमेशन कटिंग कम्पनी (जी०आर०ई०एफ),
द्वारा 60 रोड कन्स्ट्रक्शन कम्पनी
(जी० आर० ई० एफ०),
द्वारा 99 ए०पी०ओ० ।

5. श्री मुस्तफा,
379, रोड मेन्टेनेंस प्लाटून (जी०आर०ई०एफ०),
द्वारा 99 ए०पी०ओ० ।

22 सितम्बर, 1980, को फुन्टशोलिंग थिम्फू रोड पर माथुर पुल के नजदीक बहुत बड़ा भूस्खलन हुआ था । भूस्खलन को साफ करने का कार्य श्री इन्ती राजाराव की देखरेख में हो रहा था । अचानक पहाड़ी की चोटी से एक बहुत बड़ा शिलाखंड नीचे लुढ़कने लगा । नीचे गिरने वाले मलवे में श्री कृष्ण बहादुर लामा नामक मजदूर दब गया । कोई

भी मजदूर उसकी मदद के लिये आने की हिम्मत नहीं कर सका क्योंकि भूस्खलन जारी था । यह देखकर श्री लामा को बचाने के लिये, श्री इन्ती राजाराव श्री अवध कुमार सिंह और श्री मुस्तफा के साथ, घटनास्थल की ओर दौड़े । वे श्री लामा को बाहर निकालने में सफल हो गए ।

श्री इन्ती राजा राव, श्री अवध कुमार सिंह और श्री मुस्तफा ने अपनी जान के खतरे की परवाह न करते हुए भूस्खलन के मलबे में दबे हुए व्यक्ति की जान बचाने में उत्कृष्ट साहस तथा तत्परता का परिचय दिया ।

6. श्री लक्ष्मी मनजी,
ग्राम परकलहीलन, डाकखाना जाघा,
जिला नोयाना (गोरखपुर) उत्तर प्रदेश ।

7. श्री हीरेन चन्द्र दास,
ग्राम नोम्रोफूटिया, डाकखाना चौवम,
जिला लोहित, अरुणाचल प्रदेश ।

लोहित के प्रवाह क्षेत्र में 100 इंच भारी वर्षा होने से नदी में एकाएक भयंकर बाढ़ आ गई । छः सिविलियन व्यक्ति अलुबरी घाट के निकट एक टापू में एक पेड़ की चोटी पर फंस गये और वे 5 दिन तक बिना किसी भोजन तथा आश्रय के रहे । 7 अक्तूबर, 1979 को प्रधान नाविक श्री लक्ष्मी मनजी तथा नाविक श्री हीरेन चन्द्र दास ने इन फंसे हुए सिविलियन व्यक्तियों को बचाने में गंभीर खतरा तथा जिम्मेदारी उठाई । जैसे ही वे उक्त व्यक्तियों को अपनी नाव पर लाए तो वह पेड़, जिस पर उन व्यक्तियों ने आश्रय लिया हुआ था, बह गया । यदि उन्होंने वीरता का यह कार्य न किया होता और उनमें संकट में फंसे हुए व्यक्तियों के प्रति उच्च सेवा भावना न होती तो छः व्यक्तियों की जानें चली जाती ।

श्री लक्ष्मी मनजी और श्री हीरेन चन्द्र दास ने अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए छः व्यक्तियों की जान की रक्षा करने में जिम्मेदारी की भावना और उच्चतम कोटि की कर्त्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया ।

8. श्री वशिष्ट कुमार गोयल,
पुत्र श्री आर० सी० गोयल, नहरपुर रोड,
शिवाजी नगर, गुड़गांव हरियाणा,

23 फरवरी, 1981 को श्री वशिष्ट कुमार गोयल, एक छात्र, अफसर कालोनी, नं० 1, गुड़गांव में अपने मित्र से मिलने गये थे । निकटवर्ती एक बंगले में आग लग गयी जिसमें पांच वर्षीय एक बच्चा फंस गया था । उसकी मां ने खतरे का शोर मचाया । घटनास्थल पर उपस्थित व्यक्तियों में से किसी की भी उस मकान में घुसने की हिम्मत न हुई । हलचल और चीख सुनकर श्री वशिष्ट कुमार गोयल तुरन्त घटनास्थल पर पहुंचे और शीशे और प्लाईवुड की खिड़की को तोड़ने के बाद वे जल रहे बन्द कमरे से बच्चे को बाहर निकाल लाए ।

श्री वशिष्ट कुमार गोयल ने अपने जीवन के खतरे की परवाह न करते हुए आग में जल रहे बन्द कमरे से बच्चे को बचाने में साहस और तत्परता का परिचय दिया ।

9 श्री इडास्सेरी जोसेफ पौलो,
इडास्सेरी हाऊस अलामिट्टम,
तिरुमुकुलम पोस्ट आफिस,
मुकन्दपुरम तालुक, जिला त्रिचूर, केरल ।

10 श्री कचप्पिल्ली इट्टाचन चेरियन
कचप्पिल्ली हाउस, अलामिट्टम,
तिरुमुकुलम, मुकन्दपुरम, तालुक,
जिला त्रिचूर, केरल ।

14 जुलाई, 1980 को कुंडूर में यात्रियों को ले जा रही एक नाव नदी के भंवर में फंस गई जिसमें बाढ़ आई हुई थी । नाव में उसकी क्षमता से अधिक यात्री बैठे हुए थे और वह नदी में उस स्थान पर उलट गई जहां पर पानी 6 मीटर से अधिक गहरा था । नाव के सभी यात्री नदी में गिर पड़े और वे अपने जीवन के लिये संघर्ष करने लगे । लोगों की चीख पुकार सुनकर श्री इडास्सेरी जोसेफ पौलो तथा श्री कचप्पिल्ली इट्टाचन चेरियन घटनास्थल पर आये और नदी में कूद पड़े जिसकी धारा बहुत तेज थी तथा जिसके तल में चट्टानें थी और उन्होंने मास्टर जयन और श्रीमती सावित्री की जान बचा ली । घटना में चार व्यक्तियों की जानें गयी ।

श्री इडास्सेरी जोसेफ पौलो और श्री कचप्पिल्ली इट्टाचन चेरियन ने अपनी जान के खतरे की परवाह न करते हुए दो व्यक्तियों को डूबने से बचाने में साहस तथा तत्परता का परिचय दिया ।

11 मास्टर एटिटक्कलयिल कुन्जोन्जू अनन्दन,
पुत्र श्री कुन्जोन्जू एटिटक्कलयिल हाउस,
पारेक्कडवु, पेम्पावल्ली, पो० आ० कोट्टयम जिला,
केरल ।

10 मार्च 1979 को बिलसी नामक छः वर्ष का एक बच्चा अन्य बच्चों के साथ पम्बा नदी के किनारे पर नहा रहा था । बिलसी फिसल गया और नदी के गहरे पानी में बहने लगा । अन्य बच्चे सहायता के लिए चिल्लाने लगे । उनकी चिल्लाहट सुनकर 5वीं कक्षा का छात्र मास्टर एटिटक्कलयिल कुन्जोन्जू अनन्दन वहां दौड़ आया और नदी में कूद पड़ा । उसने किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लिये बिना डूबते हुए बच्चे को बचा लिया ।

मास्टर एटिटक्कलयिल कुन्जोन्जू अनन्दन ने अपने जीवन के खतरे की परवाह न करते हुए डूबते हुए बच्चे की जान बचाने में साहस और तत्परता का परिचय दिया ।

12 श्री पथजकट्टिल मोहम्मद कासिम,
पथजकट्टिल पनगड गांव कोडुगल्लुर तालुक,
त्रिचूर जिला, केरल ।

10 दिसम्बर, 1980 को मास्टर शाजी अपने घर के पास के तालाब में स्नान कर रहा था । स्नान करते समय उसका पांव फिसल गया और वह तालाब के अन्दर एक गहरे गड्ढे में गिर पड़ा । यह देखकर बच्चे को बचाने के लिये उसकी मां तालाब में कूद पड़ी । दोनों ही तैरना नहीं जानते थे इसीलिए वे दोनों ही डूबने लगे । सहायता के लिए पुकार सुनकर कई लोग तालाब के चारो ओर इकट्ठे हो गए । बच्चे और उसकी मां को अपने प्राणों की रक्षा के लिये संघर्ष करते हुए देखकर श्री पथञ्चकट्टिल मोहम्मद कासिम तालाब में कूद गए और उन्होंने दोनों को डूबने से बचा लिया ।

श्री पथञ्चकट्टिल मोहम्मद कासिम ने अपनी जान की परवाह न करते हुए दो जानों को बचाने में साहस और तत्परता का परिचय दिया ।

13. मास्टर पूथाट्टू निरपिल श्रीनिवासन,
पूथाट्टू निरपिल हाउस, कण्डाप्परम,
कपाड अमसोम और डेसोम,
तेल्लिचेरी तालुक, जिला कन्नानौर, केरल ।

1 जनवरी, 1981 को मास्टर पूथाट्टू निरपिल श्री निवासन और सूमा अन्य बच्चों के साथ खेलने के लिये पड़ौस के घर में जा रहे थे । रास्ते में एक 10½ मीटर गहरा कुंआ था । कुएं के पास जमीन पर पड़ी एक नारियल की रस्सी से फिसलकर सूमा कुएं में जा गिरी । मास्टर श्रीनिवासन सहायता के लिए चिल्लाया । आस पास कोई नहीं था जो उसकी आवाज सुनता इसलिए कोई भी सहायता के लिए नहीं आया । मास्टर श्रीनिवासन स्वयं कुएं में कूद पड़ा और उसने सूमा के लम्बे बालों को पकड़कर कुएं के किनारे पर आगे निकले हुए एक पत्थर के सहारे लटकते हुए उसे ऊपर उठाकर बचा लिया । वह सहायता के लिये चिल्लाता रहा । श्री जोसेफ ने उसकी आवाज सुनी और वह तुरन्त घटनास्थल की ओर दौड़ा आया तथा कुएं में उतर कर उसने अन्य लोगों की सहायता से, जो इसी बीच वहां पर जमा हो गए थे, दोनों बच्चों को बचा लिया ।

मास्टर पूथाट्टू निरपिल श्रीनिवासन ने सूमा को डूबने से बचाने में, अपनी जान की परवाह न करते हुए, साहस और तत्परता का परिचय दिया ।

14. श्री पुथेन वीट्टिल गोविन्दन,
निर्मल्लुर डेसोम, ग्राम पुनंगड,
क्विलण्डी, तालुक जिला कोझीकोडे, केरल ।

19 सितम्बर, 1981 को श्रीमती थयियल लीला और श्रीमती नलिनी कोटण्डा नदी में स्नान कर रही थीं । भारी वर्षा के कारण नदी में बाढ़ आई हुई थी । श्रीमती नलिनी फिसल कर भंवर में जा फंसी । श्रीमती थयियल लीला नदी में कूद पड़ी और श्रीमती नलिनी को बचाने की कोशिश करने लगी । किन्तु दोनों भंवर में फंस गई और असहाय हो गईं । नदी में स्नान कर रही अन्य महिलाएं सहायता के लिए चिल्लाईं । उनके चिल्लाने की आवाज सुनकर श्री पुथेन वीट्टिल गोविन्दन, जो आधा फर्लांग की दूरी पर एक कार धो रहे थे, तत्काल घटनास्थल की ओर दौड़ आये । वे नदी में कूद पड़े और उन्होंने भंवर से दोनों महिलाओं को बचा लिया ।

श्री पुथेन वीट्टिल गोविन्दन ने दो महिलाओं को डूबने से बचाने में अपनी जान के खतरे की परवाह न करते हुए साहस और तत्परता का परिचय दिया ।

15. मास्टर भूपेन्द्र कुमार शर्मा,
द्वारा श्री त्रिलोक चन्द्र शर्मा,
यू०डी०सी०, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
श्रीगंगानगर राजस्थान ।

26 अप्रैल, 1980 को गंगानगर का तीन वर्ष का एक बच्चा, अजय कुमार, एक छोटी नहर में गिर गया और डूबने लगा । 10 वर्षीय बालक मास्टर भूपेन्द्र कुमार ने, जो उसी समय नहर के किनारे मौजूद था, नहर में छलांग लगा दी और उस बच्चे को डूबने से बचा लिया ।

मास्टर भूपेन्द्र कुमार शर्मा ने अपने जीवन के खतरे की परवाह न करते हुए डूबते हुए बच्चे की जान बचाने में साहस और तत्परता का परिचय दिया ।

16. श्री स्वदेश कुमार शर्मा
289, कूचा घासी राम,
चांदनी चौक, दिल्ली ।

एन०सी०सी० का एक वार्षिक ट्रेनिंग कैम्प पालमपुर के नजदीक अल्हीलाल में 24 मई से 4 जून 1980 तक लगा था । 27 मई, 1980 को एन०सी०सी० कैडेट, श्री अनूप कुमार एक चट्टान से 3 मीटर गहरे पहाड़ी नाले में गिर पड़ा। उसके सिर पर चोटें आयीं और परिणामस्वरूप वह नाले की धारा में डूबने लगा । श्री स्वदेश कुमार शर्मा नामक एक अन्य कैडेट ने इस दुर्घटना को देखा और उसने फौरन पानी में छलांग लगा दी और उसे बचा लिया ।

श्री स्वदेश कुमार शर्मा ने अपने जीवन के खतरे की परवाह न करते हुए श्री अनूप कुमार को डूबने से बचाने में उच्च कोटि की नैतिक कर्त्तव्य भावना, साहस तथा वीरता का परिचय दिया ।

सु० नीलकण्ठन,
राष्ट्रपति का उप सचिव

योजना मंत्रालय

सांख्यिकी विभाग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 7 अगस्त 1982

सं० एम०-12012/2/82-समन्वय:—केन्द्रीय एवं राज्य सांख्यिकीय संगठनों की स्थायी समिति की दिनांक 5 मई, 1982 को नई दिल्ली में हुई 11वीं बैठक की सिफारिशों के अनुसरण में

भारत सरकार एतद्द्वारा गरीबों की पहचान करने के लिए उचित रीति-विधान तैयार करने मे सबंधित एक कार्यकारी दल का गठन करती है। कार्यकारी दल में निम्नलिखित होगे ---

1	महानिदेशक, केन्द्रीय सांख्यिकीय सगठन, नई दिल्ली।	अध्यक्ष
2	निदेशक, गोखले, राजनीति एव अर्थ सस्थापुणे	सदस्य
3	सदस्य सचिव, भारतीय समाज विज्ञान अनुसधान परिषद, नई विल्ली।	सदस्य
4.	निदेशक, आर्थिक विकास सस्थान, दिल्ली	सदस्य
5	श्री एन० एस० इगर, आर्थिक विश्लेषण एकक, भारतीय साख्यिकी सस्थान, 31, चर्च स्ट्रीट, बगलौर-560001	सदस्य
6	अपर सचिव (ग्रामीण विकास), ग्रामीण पुनर्निर्माण मूल्याकन, नई दिल्ली।	सदस्य
7.	सलाहकार, भावी योजना प्रभाग, योजना आयोग, नई दिल्ली।	सदस्य
8.	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रा० प्र० सर्वे० सगठन, नई दिल्ली।	सदस्य
9.	कार्यकारी अधिकारी, खाद्य एव पोषाहार बोर्ड, खाद्य विभाग, नई दिल्ली।	सदस्य
10	डा० जे० पी० सिंह, योजना सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।	सदस्य
11	डा० सी० मिश्रा, अपर सचिव (अनुश्रवण) योजना विभाग, उडीसा सरकार, भुवनेश्वर।	सदस्य
12.	निदेशक, अर्थ एवं साख्यिकी, महाराष्ट्र सरकार, बम्बई।	सदस्य
13	सांख्यिकीय आयुक्त, सांख्यिकी विभाग, तमिलनाडु सरकार, मद्रास।	सदस्य
14	आर्थिक सलाहकार, पंजाब सरकार, चंडीगढ	सदस्य
15	अपर निदेशक (राष्ट्रीय आय प्रभाग) केन्द्रीय सांख्यिकीय सगठन, नई दिल्ली।	सयोजक

2. कार्यकारी दल के विचारनीय विषय, प्रति व्यक्ति आय/कैलोरी आवश्यकता को छोडकर वैकल्पिक मापदण्ड के माध्यम से गरीबों की पहचान करने के लिए एक स्वीकार्य रीतिविधान तैयार करना है।

3 कार्यकारी दल अपनी रिपोर्ट, सांख्यिकी विभाग, योजना मंत्रालय, नई दिल्ली को शीघ्र अति शीघ्र प्रस्तुत करेगे।

4. कार्यकारी दल के गैर सरकारी सदस्य के कार्यकारी दल की बैठक में उपस्थित होने के लिए संबंधित नियमो और आदेशो के अनुसार यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ते दिए जायेगे और इसमे जो व्यय होंगे वह केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, साख्यिकी विभाग के बजट अनुदान से पूरा किया जाएगा।

एस० पी० शर्मा, अवर सचिव

शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1982

स० फा० 12-5/82 डैस्क-III (खेल)—इस मत्रालय के दिनाक 17 अगस्त, 1965 के संकल्प सख्या एफ० 16-6/65-पी० ई० 4 के अनुसरण मे जिसे समय-समय पर सशोधित किया गया है तथा इस मत्रालय की दिनांक 1 जून 1979 की अधिसूचना सख्या एफ० 12-6/79-डेस्क-III (खेल) द्वारा गठित राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा और खेल संस्थानो की सोसाइटी के अभिशासी बोर्ड के कार्यकाल की समाप्ति पर, राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा और खेल संस्थानों की सोसायटी के अभिशासी बोर्ड मे निम्नलिखित व्यक्तियों को 1 अगस्त, 1982 से 3 साल की अवधि के लिए नियुक्त किया गया है

अध्यक्ष

1 श्री वी० सी० शुक्ल, ससद सदस्य,
1, विलिंगडन क्रेसैंट, नई विल्ली।
भारत सरकार के प्रतिनिधियों के रूप मे सदस्य

2 प्रभारी संयुक्त सचिव,
शारीरिक शिक्षा तथा खेल, पदेन
शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय,
(इस समय श्री एस० के० चतुर्वेदी,
शारीरिक शिक्षा एवं खेल के संयुक्त सचिव हैं)।

3. वित्तीय सलाहकार, पदेन
शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, वित्तीय सलाहकार
वित्तीय सलाहकार, नई दिल्ली।
(इस समय श्री पी० जी० मुरलीधरन,
इस पद का कार्यभार संभाले हुए हैं)।

4 डा० एम० रोबसन,
प्रिंसिपल,
लक्ष्मी बाई शारीरिक शिक्षा कालेज,
ग्वालियर (मध्य प्रदेश)।

अन्य सदस्य

5 पंजाब सरकार का प्रतिनिधि

6 गुजरात सरकार का प्रतिनिधि ;

7 कर्नाटक सरकार का प्रतिनिधि ,

8 पश्चिम बगाल सरकार का प्रतिनिधि ,

9 डा० जे० जेविड मेनुल राज,
प्रिंसिपल,
वाई० एम० सी० ए०, शारीरिक शिक्षा कालेज
मद्रास (तमिलनाडू)।

10 श्री के० आर० कृष्णन नायर,
प्रिंसिपल,
शारीरिक शिक्षा कालेज
कालीकट (केरल)।

11. ब्रिगेडियर (सेवा निवृत्त) बी० पी० भल्ला,
निदेशक
खेल, उत्तर प्रदेश सरकार
लखनऊ (उ० प्र०)।

12 केवल्य धाम श्रीमान
माधव योग मंदिर समिति,
लोनावला (महाराष्ट्र) का प्रतिनिधि।

13 ग्रुप कैप्टेन (सेवा निवृत्त) एच० रेवेल्लो
ए/7, हौज खास, नई दिल्ली।

14 श्री पी० के० बनर्जी,
मार्फत अखिल भारतीय फुटबाल संघ
कलकत्ता (पश्चिम बंगाल)।

15 श्री राज चोपड़ा,
उपाध्यक्ष, भारतीय वालीबाल संघ,
6, जन्तर मन्तर रोड, नई दिल्ली।

16 श्री चरणजीत सिंह,
निदेशक
खेल एवं युवक सेवायें,
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।

सदस्य सचिव

17 निदेशक
नेता जी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान
पटियाला (पंजाब)।
(इस समय एम० एस० एन० आई० एस० के
श्री आर० एल० आनन्द निदेशक हैं)।

शंकर लाल, उप सचिव

संचार मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 6 अगस्त 1982

विषय हिन्दुस्तान टेलीप्रिंटर्स लिमिटेड द्वारा बनाए जाने वाले प्रस्तावित इलैक्ट्रानिक टेलीप्रिंटर का देवनागरी कुंजी-पटल तैयार करने के लिए समिति का गठन।

सं० ई०-11013/1/81—हिन्दी—इस मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र के एक उपक्रम हिन्दुस्तान टेलीप्रिंटर्स लिमिटेड द्वारा बनाए जाने वाले इलैक्ट्रानिक टेलीप्रिंटरों के लिए देवनागरी कुंजी-पटल तैयार करने के लिए, दिनांक 17 अगस्त, 1981 के समसंख्यक संकल्प द्वारा गठित समिति का कार्यकाल जिसे 31 जुलाई, 1982 तक बढ़ाया गया था और आगे 30 सितम्बर, 1982 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह संकल्प भारत राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

के० थामस कोरा, अपर सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 25th August 1982

No 38-Pres /82—The President is pleased to approve the award of Sarvottam Jeevan Raksha Padak to the undermentioned person —

Reverend Sister Layola, *(Posthumous)*
Mother Superior,
St Teressa's Carmolite Convent,
Pazhavangady, Alleppey, Kerala.

On the 23rd April, 1981, at about 10 00 p.m., a chlorine gas cylinder burst in the Pump House very close to the St. Rose's Convent-cum-Hostel The emitting chlorine gas entered through the windows into the Hostel About 150 inmates of the hostel started crying and running round due to gas poisoning Meanwhile Reverend Sister Layola ran from room to room helping the inmates to get out of the building. She took initiative to see that all inmates of the hostel were taken to hospital She searched every nook and corner of the hostel to ensure that all inmates had been evacuated and that no one was lying unconscious inside the building In this process, she herself fell unconscious She was the last person to be taken to the hospital She died in the night itself. She could have easily escaped death had she not remained inside the hostel to save the lives of others

Reverend Sister Layola displayed rare bravery and promptitude in evacuating inmates of the hostel unmindful of the risk involved to her own life

No 39 Pres /82—The President is pleased to approve the award of UTTAM JEEVAN RAKSHA PADAK to the undermentioned persons :—

1 Shri A Gafar Ahmed Terkhesa,
Near Nagina Masjid Jetpur District Rajkot
Gujarat

On the 9th May 1981, seven Agronomists of Gujarat Agricultural University, camped at Junagadh, were returning to their headquarters in a Matador after attending a meeting at Surat It was a stormy day and the Matador was proceeding at a safer speed In the meanwhile, a State Transport vehicle was rushing from the opposite direction with a terrific speed and that too on the wrong side It hit the Matador and smashed it from the front side The Matador was overturned and some passengers including the driver became unconscious No onlookers came to the aid of ill-fated passengers Shri A Gafar Ahmed Terkhesa, a taxi driver and a resident of Jetpur, who was proceeding to Junagarh stopped his taxi at the scene of accident He jumped into the vehicle which had caught fire in the meanwhile He rescued all the passengers from the vehicle except the driver who lost his life Another passenger later died of injuries. All other passengers were removed to the nearby hospital and were saved

Realising the gravity of the situation and without caring for his personal life Shri Gafar Ahmed Terkhesa plunged himself into the burning vehicle He thus displayed courage and promptitude and saved the life of six persons

2 Shri Uday Bhan Singh,
Village Umriya, District Shahdol
Madhya Pradesh

On the 8th April, 1981, the R M S bogie of the 33 Down Indore Bilaspur Express caught fire between the railway stations of Birsingpur and Gunghuti The passengers travelling in the said compartment pulled the chain but the train did not stop Thereafter, Shri Uday Bhan Singh climbed the roof of the compartment and moved towards the engine with great difficulty and at great risk On reaching the engine, he informed the driver and the fireman about he incident The driver stopped the train immediately All of them got down, reached the affected bogey and separated the other bogeys ahead and behind Thereafter, Shri Uday Bhan Singh rushed into the bogey on fire and rescued a lady and a child from it

Shri Uday Bhan Singh displayed courage and promptitude in rescuing two lives from a railway compartment on fire, disregarding the risk involved to his own life

3. Shri Kalangara Velayudhan Nair,
94, Road Construction Coy. (GREF),
Project 'Yatrik', C/o 99 APO.

On the 7th June, 1981, a picnic party was arranged by the Junior Commissioned Officers/Supervisors of 'Yatrik' Project on North-South road on the banks of Galethis river. Unexpectedly, one of the picnicers Shri T. R. K. Murthy slipped and fell into the river. He knew swimming but could not swim ashore because of the swift current. Having noticed the incident Shri Kalangara Velayudhan Nair jumped into the river and swim very fast and caught hold of Shri Murthy who had by then become unconscious and was drowning. Taking hold of him, Shri Nair started swimming towards the opposite bank of the river. Seeing the efforts of Shri Nair, Shri Kanssi and Shri Someshwar pradhan also jumped into the river. Shri Nair with the help of his colleagues pulled Shri Murthy to safety to the other bank of the river.

Shri Kalangara Velayudhan Nair displayed courage and promptitude in saving the life of Shri Murthy disregarding the risk involved to his own life.

4. Shri Tesang Thingnok, (Posthumous)
S/o Shri Nongphak,
Farmer, Village Doidam, Namsang Circle,
Trip District, Andhra Pradesh.

On the 23rd April, 1981, a few young boys of Deomali township went for swimming in the Namsang river. All of a sudden two boys, Nahat Namati and Tuten Gupta, were caught in the strong current. The other boys raised an alarm. On hearing the shouts, Nahat Namati's mother asked her younger brother Shri Tesang Thingnok rushed to the river bank and seeing the boys in distress jumped into the river. After struggling for some time, he managed to bring the drowning boys towards the bank. But in the process he was engulfed by the strong currents and could not come out himself.

Shri Tesang Thingnok displayed courage and promptitude in saving the lives of two boys at the cost of his own.

No. 40-Pres./82.—The President is pleased to approve the award of Jeevan Raksha Padak to the undermentioned persons —

1. Shri Kanssi,
Sec. 583 TPT Platoon (GREF),
Care 94 RCC(GREF), Project 'Yatrik',
C/o 99 APO.

2. Shri Someshwar Pradhan,
Dett. 1005(1) Engineer—Stores and
Supply Platoon (GREF), HQ Project 'Yatrik',
C/o 99 APO.

On the 7th June, 1981, a picnic party was arranged by the Junior Commissioned Officers/Supervisors of "Yatrik Project" on the banks of Galethis river. All of a sudden one of the picnicers, Shri T. R. K. Murthy, slipped and fell into the river. He knew swimming but could not swim ashore because of the strong current. Having noticed the incident, Shri Kalangra Velayudhan Nair jumped into the river to save him. Seeing the efforts of Shri Nair, Shri Kanssi and Shri Someshwar Pradhan also jumped into the river and helped Shri Nair to bring Shri Murthy to safety to the other bank of the river.

Shri Kanssi and Shri Someshwar Pradhan displayed courage and promptitutde in saving the life of Shri Murthy disregarding the risk involved to their own lives.

3. Shri Yinti Raja Rao,
60 Road Construction Coy (GREF),
C/o 99 APO.

4. Shri Awadh Kumar Singh,
155 Formation Cutting Coy (GREF),
C/o 60 Road Construction Coy (GREF),
C/o 99 APO.

5. Shri Mustafa,
379 Road Maintenance Platoon (GREF),
C/o 99 APO.

On the 22nd September, 1980, there was a huge landslide near Mathur Bridge on road Phuntsholing-Thimphu. The slide was being cleared under the supervision of Shri Yinti Raja Rao. All of a sudden a huge boulder started rolling down from the top of the hill. One labourer, Shri Krishna Bahadur Lama, got buried under the falling debris. No labourer dared to come to his rescue as the slide was active. Seeing this Shri Yinti Raja Rao along with Shri Awadh Kumar Singh and Shri Mustafa rushed to the site to save Shri Lama. They managed to take him out.

Shri Yinti Raja Rao, Shri Awadh Kumar Singh and Shri Mustafa displayed conspicuous courage and promptitude in rescuing a person buried under the debris of landslide disregarding the risk involved to their own lives.

6. Shri Laxmi Manji,
Village Parkalhylan, P.O. Jangha,
District Noyana (Gorakhpur), U.P.

7. Shri Horen Chandra Das,
Village Neophutyia, P.O. Chaukam,
District Lohit, Arunachal Pradesh.

There was very heavy downpour of 100 inches in the catchment area of Lohit causing flash flood in the river. Six civilians were stranded on a tree top on an Island near Abubari ghat and were without food and shelter for 5 days. On the 7th October 1979, Shri Laxmi Manji, Head Boatman, and Shri Horen Chandra Das, Boatman, undertook grave risk and responsibility in saving these stranded civilians. No sooner did they bring them on their boat than the tree which afforded these persons shelter was washed away. But for their act of gallantry and high sense of service to the distressed, six lives would have been lost.

Shri Laxmi Manji and Shri Horen Chandra Das displayed sense of responsibility and devotion to duty of the highest order in rescuing six stranded persons without caring for their own safety.

8. Shri Vashisht Kumar Goyal,
S/o Shri R. C. Goyal, Nahlarpur Road,
Shivaji Nagar, Gurgaon, Haryana.

On the 23rd February, 1981, Shri Vashisht Kumar Goyal, a student, had gone to see his friend in Officers Colony No. 1, Gurgaon. A nearby bunglalow caught fire in which a five year old child was entrapped. Her mother raised an alarm. None of those present at the spot dared to enter the house. On hearing the commotion and cry, Shri Vashisht Kumar Goyal hastened to the spot and brought out the child from the closed room on fire after breaking the glass and plywood window.

Shri Vashisht Kumar Goyal displayed courage and promptitude in rescuing a child from a closed room which had caught fire disregarding the risk involved to his own life.

9. Shri Edassery Joseph Poulo,
Edessary House, Alamittom, Thirumkulam P.O.,
Mukundapuram Taluk, Trichur District, Kerala.

10. Shri Kachappilly Ittyachan Cherian,
Kachappilly House, Alamittom, Thirumukulam P.O.,
Mukundapur Taluk, Trichur District, Kerala.

On the 14th July, 1980, a ferry boat carrying passengers at Kundoor was engulfed in a whirlpool in the river which was in spate. The boat was over-loaded and it turned upside down where the water was more than 6 metre deep. All the passengers of the boat fall into the river and struggled for their lives. Hearing the hue and cry of the people, Shri Edassery Joseph poule and Shri Kachappilly Ittyachan Cherian came to the spot and jumped into the river having under current and rocks at the bottom and saved the lives of Master Jayan and Shrimati Savitri. Four persons lost their lives in the incident.

Shri Edassery Joseph poulo and Shri Kachappilly Cherian displayed courage and promotitude in saving two lives from drowning, unmindful of the risk involved to their own lives.

11. Master Ettikkalayil Kunjonju Anandan,
S/o Shri Kunjonju, Ettikkalayil House,
Parekkadavu, Pempavally P.O. Kottayam District,
Kerala.

On the 10th March, 1979, a six year old child named Bilsy was taking bath alongwith other children on the bank of River Pamba. Bilsy slipped into the river in deep water. The

other children cried for help. On hearing the cries Master Ettikkalayil Kunjonju Anandan, a student of 5th standard, came there and jumped into the river. He saved the drowning child without anybody's help.

Master Ettikkalayil Kunjonju Anandan displayed courage and promptitude in saving the life of a child from drowning disregarding the risk involved to his own life.

12. Shri Pathazhakattil Mohammed Kassim,
Pathazhakattil Panangad Village,
Kodungallur Taluk, Trichur District, Kerala.

On the 10th December, 1980, Master Shaji was taking bath in a pond near his house. While bathing he slipped and fell into a deep pit in the pond. Seeing this, his mother jumped into the pond to save her child. Both of them did not know swimming and they began to drown. Hearing the cry for help many people gathered round the pond. On seeing the child and his mother struggling for life, Shri Pathazhakattil Mohammed Kassim jumped into the pond and saved them from drowning.

Shri Pathazhakattil Mohammed Kassim displayed courage and promptitude in saving two lives from drowning unmindful of the risk involved to his own life.

13. Master Pothattu Nirappil Srinivasan,
Poothattu Nirappil House, Kendappiom
Kappad Amsom and Desom, Tellicherry Taluk,
Cannanore District, Kerala.

On the 1st January, 1981, Master poothattu Nirappil Srinivasan and Suma were going to a neighbouring house to play with other children. On the way there was a 10½ metre deep well. Suma fell into the well by slipping of a coir rope which was spread on the ground near the well. Master Srinivasan shouted for help. As no one was within ear-shot, none came to help. Master Srinivasan himself jumped into the well and saved Suma by holding up her long hair and hanging over a projected stone by the side of the well. He continued shouting for help. Shri Joseph, who heard the cries rushed to the spot, got into the well and rescued both the children with the help of other people who had gathered in the meanwhile.

Master Srinivasan displayed courage and promptitude in saving the life of Suma drowning ignoring the risk involved to his own life.

14. Shri Puthen Veettil Govindan,
Nirmallur Desom, Panangad Village,
Quilandy Taluk, Kozhikode District, Kerala.

On the 19th September, 1981, Smt. Thayyil Leela and Shrimati Nalini were taking bath in Kottanada river. The river was in spate due to heavy rains. Shrimati Nalini slipped and fell into the whirlpool. Shrimati Thayyil Leela jumped into the river and tried to save Shrimati Nalini. But both of them were entrapped by whirlpool and became helpless. Other women taking bath in the river cried for help. On hearing the cries, Shri Puthen Veettil Govindan who was washing a car at a distance of half a furlong away, rushed to the spot. He jumped into the river and saved both the women from the whirlpool.

Shri Puthen Veettil Govindan displayed courage and promptitude in saving two lives from drowning, disregarding the risk involved to his own life.

15. Master Bhupendra Kumar Sharma,
C/o Shri Trilok Chand Sharma,
U.D.C., Govt. Post Graduate College,
Sri Ganganagar, Rajasthan

On the 26th April, 1980, a three year old child Ajay Kumar of Ganganagar fell down in a minor canal and started drowning. Master Bhupendra Kumar Sharma, a ten years old boy who happened to be present at the bank of the canal at that time, jumped into it and saved the child from drowning.

Master Bhupendra Kumar Sharma displayed courage and promptitude in saving the life of the child from drowning, disregarding the risk involved to his own life.

16. Shri Swadesh Kumar Sharma,
289, Kucha Ghasi Ram,
Chandni Chowk, Delhi.

An Annual Training Camp of N.C.C. was held at Alhilal, near Palampur Cantonment, from 24th May to 4th June, 1980. On the 27th May, 1980, Shri Anup Kumar, N.C.C. Cadet, fell from a rock into a 3 metre deep hilly nallah. He received head injuries and consequently started drowning in the stream. Shri Swadesh Kumar Sharma, another cadet, saw the incident and instantly jumped into the water and rescued him.

Shri Swadesh Kumar Sharma displayed a high sense of moral duty, courage and bravery in saving the life of Shri Anup Kumar from drowning, disregarding the risk involved to his own life.

S. NILAKANTAN, Dy. Secy. to the President

MINISTRY OF PLANNING

DEPARTMENT OF STATISTICS

New Delhi-110001, the 7th August 1982

No. M-12012/2/82-Coord.—In pursuance of the recommendation of the Standing Committee of the Conference of Central and State Statistical Organisations (made at its eleventh meeting held in New Delhi on 5th May, 1982), the Government of India hereby appoints a Working Group to evolve an appropriate methodology for identification of the poor. The composition of the Working Group will be as under :—

Chairman

1. Director-General, Central Statistical Organisation, New Delhi.

Members

2. Director, Gokhale Institute of Politics & Economics, Pune.
3. Member-Secretary, Indian Council of Social Science Research, New Delhi.
4. Director, Institute of Economic Growth, Delhi.
5. Dr. N. S. Iyengar, Economic Analysis Unit, Indian Statistical Institute, 31, Church Street, Bangalore-560001.
6. Additional Secretary (RD), Ministry of Rural Reconstruction, New Delhi.
7. Adviser, Perspective Planning Division, Planning Commission, New Delhi.
8. Chief Executive Officer, National Sample Survey Organisation, New Delhi.
9. Executive Director, Food & Nutrition Board, Department of Food, New Delhi.
10. Dr. J. P. Singh Planning Secretary, Government of Uttar Pradesh, Lucknow.
11. Dr. C. Mishra, Additional Secretary (Monitoring) Department of Planning, Government of Orissa Bhubaneswar.
12. Director, Directorate of Economics & Statistics, Government of Maharashtra, Bombay.
13. Commissioner of Statistics, Department of Statistics, Government of Tamil Nadu, Madras.
14. Economic Adviser to Government of Punjab, Chandigarh.

Convenor

15. Additional Director (National Income Division), Central Statistical Organisation, New Delhi.

2. The terms of reference of the Working Group will be to evolve an acceptable methodology for identification of the poor through alternative criteria other than per capita income/calorie requirement.

3. The Working Group will submit its Report to the Department of Statistics, Ministry of Planning, New Delhi as soon as possible.

4. The non-official members of the Working Group will be paid T.A./D.A. for attending meetings of the Working Group in accordance with the relevant rules and orders and the expenditure will be met out of the Budget Grant of C.S.O., Department of Statistics.

S. P. SHARMA, Under Secy.

MINISTRY OF EDUCATION AND CULTURE

(DEPTT. OF EDUCATION)

New Delhi, the 31st July 1982

No. F. 12-5/82-Desk-III(Sports).—In pursuance of Resolution No. F. 16-6, 65-PE-4, dated the 17th August, 1965 of this Ministry, as amended from time to time, and on the expiry of the term of the board of governors of the Society for the National Institutes of Physical Education and Sports, constituted vide Notification No F. 12-6/79-Desk-III (Sports) dated the 1st June, 1979 of this Ministry, the following persons are appointed on the board of governors of the Society for the National Institutes of Physical Education and Sports for a period of three years with effect from the 1st August 1982.

Chairman

Shri V. C. Shukla, M.P.
1, Willingdon Crescent,
New Delhi.

Members as representatives of the Government of India.

2. Joint Secretary in-charge of Physical Education and Sports, Ministry of Education and Culture (at Present Shri S. K. Chaturvedi is the incharge of Physical Education and Sports)

(*ex-officio*)
Joint Secretary

3. Financial Adviser in the Ministry of Education and Culture, New Delhi. (At present Shri P. G. Murlidharan is holding the post).

(*ex-officio*)
Financial Adviser

4. Dr. M. Robson,
Principal,
Lakshmibai National College of Physical Education,
Gwalior (Madhya Pradesh)

Other Members

5. A representative of Government of Punjab.

6. A representative of Government of Gujarat.

7. A representative of Government of Karnataka.

8. A representative of Government of West Bengal.

9. Dr. J. David Manuel Raj,
Principal,
Y.M.C.A. College of Physical Education,
Madras (Tamil Nadu).

10. Shri K. R. Krishnan Nair,
Principal,
College of Physical Education,
Calicut (Kerala).

11. Brig. (Retd.) R. P. Bhalla,
Director of Sports,
Government of Uttar Pradesh,
Lucknow (Uttar Pradesh).

12. Representative of the Kaivalayadham Shreeman Madhava Yoga Mandir Samiti, Lonavla (Maharashtra).

13. Group Captain (Retd.) H. Rebello,
A/7, Hauz Khas, New Delhi.

14. Shri P. K. Bannerjee,
C/o. All India Football Federation,
Calcutta (West Bengal).

15. Shri Raj Chopra,
Vice President,
Volleyball Federation of India,
6, Jantar Mantar Road,
New Delhi.

16. Shri Charanjit Singh,
Director of Sports and Youth Services
Himachal Pradesh University,
Simla.

(*Ex-Officio*)
Member Secretary

17. Director,
Netaji Subhas National Institute of Sports,
Patiala (Punjab),
(At present Shri R. L. Anand is the Director, NSNIS)

SHANKER LAL, Dy. Secy.

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

New Delhi-110 001, the 6th August 1982

RESOLUTION

Subject :—Setting up of a Committee for evolving a Devanagari Key-Board for Electronic Teleprinter proposed to be manufactured by Hindustan Teleprinters Limited.

No. E-11013/1/81-Hindi.—It has been decided that the tenure of the Committee set up vide Resolution of even number dated the 17th of August, 1981 for evolving the Devanagari key board for Electronic Teleprinters to be manufactured by the Hindustan Teleprinters Ltd., a public sector undertaking under the administrative control of this Ministry, which was extended upto the 31st of July, 1982, be further extended upto the 30th of September, 1982.

S. K. GHOSE, Secy.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. THOMAS KORA, Addl. Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1982